सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-641
29/12/2017

जब तक लोगों में जागृति नहीं आएगी, तब तक सामाजिक कुरीतियों को खत्म नहीं किया जा सकता :– मुख्यमंत्री

पटना, 29 दिसम्बर 2017 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज शेखपुरा जिले के अरियरी प्रखंड के डीहा गाँव का भ्रमण कर सात निश्चय की योजनाओं के साथ ही अन्य विकासात्मक योजनाओं के तहत चल रहे कार्यों का जायजा लिया। डीहा ग्रामवासियों ने मुख्यमंत्री का फूल–मालाओं से गर्मजोशी से स्वागत किया। गाँव भ्रमण के क्रम में पूरे रास्ते महिलाओं का एक समूह स्वागत गीत गाकर और जगह–जगह सामूहिक रूप से महिलाओं ने फूलों का छिड़काव कर मुख्यमंत्री का भव्य स्वागत किया। डीहा गांव में 38.52 लाख रुपये की लागत से 10,000 लीटर क्षमता वाली फ्लोराइड शोधन यंत्रयुक्त मिनी पाइप जलापूर्ति योजना का उद्घाटन किया। डीहा पंचायत की मुखिया श्रीमती उषा देवी से पंचायत में चल रहे विकास कार्यों की पूरी जानकारी ली। डीहा गाँव एवं उसके आस–पास के इलाके में फ्लोराइड प्रभावित पेयजल की समस्याओं से अवगत होने के बाद लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के सचिव को मुख्यमंत्री ने निर्देश देते हुए कहा कि फ्लोराइड की शिकायत है तो उसका अध्ययन कराकर मेजर प्रोजेक्ट लगवाने की दिशा में काम करें। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री विकास समीक्षा यात्रा के दूसरे चरण के दूसरे दिन लखीसराय के बाद शेखपुरा जिले के अरियरी मैदान में जनसभा स्थल के समीप बने हेलीपैड पहुँचे, जहाँ जिला प्रशासन द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया और स्थानीय नेताओं ने मुख्यमंत्री को गुलदस्ता और माला भेंट कर अभिनंदन किया। गाँव भ्रमण के बाद जनसभा स्थल मंच पर पहुँचे जिलाधिकारी दिनेश कुमार ने मुख्यमंत्री को पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। एन0डी0ए0 के तरफ से भी मुख्यमंत्री को माला पहनाकर कार्यकर्ताओं ने अभिनंदन किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने रिमोट के माध्यम से 172 करोड़ रुपये की लागत वाली 1551 योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। शेखपुरा जिला प्रशासन द्वारा विकास से संबंधित तैयार की गई पुस्तिका का विमोचन मुख्यमंत्री ने किया।

जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आप की उपस्थिति देख कर मुझे काफी प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने कहा कि समीक्षा यात्रा को लेकर जब कार्यक्रम बन रहा था, तब मैंने यह तय किया कि वर्ष 2009 में विकास यात्रा के क्रम में हम जिन गांवों में गए थे और वहां टेंट में रुके थे, उस गांव में जरुर जाएंगे। उन्होंने कहा कि फरवरी 2009 को इसी स्थान पर हम टेंट में रुके थे और आज डीहा गांव में हुए विकास कार्यों को देखकर हम आपके बीच पहुंचे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 8 साल पहले विकास यात्रा के क्रम में जिन बातों की चर्चा हुई, उस समय में और आज के समय में काफी परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि दूध संग्रहण करने के लिए संग्रहण केंद्र स्थापित करने की मांग की गई थी, जिसका संचालन भी शुरू हो गया है। अरियरी में 30 बेड का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से ऊपर है, उसका उद्घाटन हुआ है। इसको देखकर मुझे काफी प्रसन्नता हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य विद्यालय जिसको हाई स्कूल में उत्क्रमित करने की मांग की गई थी, उसकी मंजूरी दे दी गई है और जल्द ही मध्य विद्यालय को हाई स्कूल में उत्क्रमित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि बिजली के विषय में विकास यात्रा के क्रम में काफी चर्चा उस समय हुये संवाद कार्यक्रम और मुख्यमंत्री के जनता दरबार कार्यक्रम में हुआ था। हालांकि शेखपुरा में राजों बाबू के चलते बिजली की स्थिति काफी अच्छी थी क्योंकि पटना के बाद यहीं ज्यादा बिजली रहती थी। उन्होंने कहा कि 2 दिन पहले पूरे बिहार के सभी गांवों का विद्युतीकरण हो गया है और जो कुछ टोलें अभी बचे हैं, उनमें अप्रैल 2018 तक बिजली हर हाल में पहुंचा दी जाएगी।

सात निश्चय योजनाओं का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हर परिवार को बिजली 2018 के अंत तक मुहैया कराने का सरकार ने लक्ष्य निर्धारित किया है और इसके लिए मुफ्त बिजली कनेक्शन भी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने भी इस योजना को स्वीकारते हुए वर्ष 2018 तक हर गांव में बिजली पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित कर सौभाग्य योजना की शुरुआत की है लेकिन हर घर के अंदर मीटर और तीन फेज का तार पहुंचाने का जो बिहार सरकार की योजना है, वह सौभाग्य योजना में नहीं है। उन्होंने कहा कि ग्रीड से बिजली की आपूर्ति जिन गांवों में नहीं हो पा रही थी, वहां सौर ऊर्जा के माध्यम से ऑफ ग्रिड के द्वारा बिजली पहुंचाई गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 15 अगस्त 2012 को स्वाधीनता दिवस के मौके पर मैंने कहा था कि अगर बिजली की स्थिति में सुधार नहीं लायेंगे तो 2015 में हम आपसे वोट मांगने नहीं आयेंगे और आज स्थिति यह है कि जहां वर्ष 2012 में 1751 मेगावाट अधिकतम बिजली की आपूर्ति हो रही थी, वहीं उसके पहले 700 से 800 मेगावाट बिजली की आपूर्ति पूरे बिहार में की जा रही थी, जब मैंने कार्यभार संभाला था। अगर 9 अक्टूबर 2017 के बिजली की आपूर्ति को देखें तो 5535 मेगावाट बिजली की आपूर्ति हो रही है। उन्होंने कहा कि निरंतर बिजली मिलने से अब गांव में भी लोग टेलीविजन के साथ–साथ फ्रिज और ए0सी0 का भी उपयोग करने लगे हैं। लोगों से अपील करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बिजली का बेवजह उपयोग नहीं करें, जरूरत के मुताबिक ही बिजली का इस्तेमाल करें। उन्होंने कहा कि आज जिन 1551 योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन 172 करोड़ रुपए की लागत से हुआ है, इसके लिए जिला प्रशासन और संबंधित विभागों को बधाई है, जिनमें 124 करोड़ रुपए की लागत से 1345 योजनाओं का उद्घाटन और 48 करोड़ रुपए की लागत से 206 योजनाओं का शिलान्यास हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अरियरी में 30 बेड के अस्पताल का उद्घाटन हुआ है, जिसका लाभ आप सबको मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डीहा गांव का भ्रमण करने गए थे, जहां मैंने देखा कि ऊंचाई और ढलान है। उन्होंने कहा कि डीहा गांव के विषय में मैंने जानकारी ली तो मुझे लगा कि यह ऐतिहासिक और पुरातत्व की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है, जिसको देखते हुए विरासत विकास समिति को फोन कर यहां आकर देखने की बात कही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डीहा गांव पेयजल गुणवत्ता प्रभावित है और यहां फ्लोराइड की मात्रा अधिक है, जिसको देखते हुए जो नल का जल योजना के तहत पेयजल आपूर्ति के लिए टैंक लगा है, उसमें फ्लोराइड मुक्त पेयजल की व्यवस्था का पूरा इंतजाम किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस इलाके का पानी फ्लोराइडयुक्त है, जिसको ध्यान में रखते हुए हमने पी0एच0ई0डी0 विभाग के सचिव को फ्लोराइड से छुटकारा दिलाने के लिए बड़ी योजना का प्रस्ताव लाने का निर्देश दिया है, जिसको सरकार मंजूरी देगी ताकि लोगों को स्वच्छ पेयजल मिल सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं की मांग पर पूर्ण शराबबंदी बिहार में लागू की गई, जिसका नतीजा है कि आज परिवार में शांति है, पूरे बिहार में अमन–चैन का माहौल है और जो लोग शराब पीने में पैसा गंवाते थे, अब उसका इस्तेमाल बच्चों की पढ़ाई, कपड़े एवं घर परिवार के खर्च में हो रहा है, परिवारों में खुशहाली लौटी है। उन्होंने कहा कि चंद दो नंबरी लोग अभी भी शराब का अवैध कारोबार कर रहे हैं और सरकारी तंत्र में घूस देकर अपना कारोबार चला रहे हैं। ऐसे लोग पकड़ाते भी हैं और उन पर कारवाई भी होती है। वैशाली और रोहतास में जहरीली शराब से हुई मौत का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अवैध

कारोबार करने वाले लोगों से जहरीली शराब लेकर पीने के कारण जहां वैशाली में तीन लोगों की मौत हुई, वहीं चार लोगों की मौत रोहतास में हुई, ऐसे में हम सबको सजग और सतर्क रहने की आवश्यकता है। महिलाओं को आह्वान करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कहीं भी आपको शराब सेवन या उसके कारोबार को लेकर संशय या शंका हो तो आप लोगों को समझाइए कि अगर दो नंबरी कारोबारी से शराब लेकर पियोगे तो बेवजह मौत को दावत दोगे। उन्होंने कहा कि अब हर गांव में बिजली पहुंच गई है और ऐसे में जो ट्रांसफार्मर के खंभे हैं, उस पर बोर्ड लगाया जा रहा है, जिस पर शराब का कारोबार करने वाले लोगों की सूचना देने के लिए टेलीफोन नंबर लिखे रहेंगे। उन्होंने कहा कि 12 करोड़ की आबादी वाले बिहार में 6.5 करोड़ से ज्यादा मोबाइल फोन हैं, ऐसे में इस तरह की कोई भी जानकारी शराब का अवैध कारोबार करने वाले लोगों के विषय में मिलती है तो उसकी तत्काल सूचना उस टेलीफोन नंबर पर दें। इसके लिए सरकार ने पूरी व्यवस्था कर रखी है कि जो भी सूचना मिलेगी, उस पर तत्काल कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि बिहार में हुई पूर्ण शराबबंदी की पूरे देश में और देश के बाहर काफी चर्चा है, जिसका नतीजा है कि देश के बाहर से लोग बिहार आए और कर्नाटक सरकार ने अपनी एक बड़ी टीम बिहार दौरे पर भेजी, शराबबंदी के अध्ययन के लिए। बिहार के कई क्षेत्रों का भ्रमण करने के बाद टीम के सदस्यों ने मुझसे मुलाकात की और शराबबंदी के विषय में पूरी जानकारी से अवगत हुए। उन्होंने कहा कि हम शराबबंदी से समझौता करने वाले नहीं है क्योंकि यह सामाजिक परिवर्तन की बुनियाद है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शराबबंदी, नशामुक्ति के साथ–साथ बाल विवाह और दहेज प्रथा के खिलाफ सशक्त अभियान चलाया जा रहा है क्योंकि गरीब तबके के परिवार कम उम्र में ही दहेज के डर से अपनी बेटी की शादी कर देते हैं और ऐसे में बाल विवाह और दहेज प्रथा दोनों एक दूसरे से जुड़ा हुआ है। हालांकि दोनों गैरकानूनी है और इसके लिए कानून भी बना हुआ है लेकिन जब तक इसके खिलाफ अभियान नहीं चलेगा, लोगों में चेतना पैदा नहीं की जाएगी, लोगों में जागृति नहीं आएगी, तब तक इन सामाजिक कुरीतियों को खत्म नहीं किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कम उम्र में गर्भधारण करने से महिलाएं या तो मौत की शिकार हो जाती हैं या उनसे जो बच्चे पैदा होते हैं, वे कई तरह की बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं। पांच साल से कम उम्र के बच्चे बौनेपन के शिकार होते हैं और मानसिक बीमारी से भी जूझते हुए पाए गए हैं। उन्होंने कहा कि पहले दहेज प्रथा संपन्न लोगों में थी लेकिन अब इसका चलन आम लोगों में भी हो गया है और कानून होने के बावजूद भी महिलाओं पर अत्याचार दहेज प्रथा के कारण होता रहा है। महिला उत्पीड़न की घटनाएं भी देखने को मिलती है। उन्होंने कहा कि कानून पहले से है, लोग पकड़ाते भी हैं, सजा भी पाते हैं लेकिन इन सामाजिक कुरीतियों को अवेयरनेस लाकर ही खत्म किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस दिन हर कोई एक संकल्प ले ले कि अगर गांव में कोई दहेज लेकर शादी करता है तो आप उस शादी समारोह में शरीक नहीं होंगे, तब वह अलग–थलग पड़ जाएगा और उसकी बदनामी होगी। यकीन मानिए अगर आप ऐसा करते हैं तो इन सामाजिक कुरीतियों, कुप्रथाओं से समाज को छूटकारा मिल जाएगा। उन्होंने कहा कि मुझे भी लोग शादी समारोह में आमंत्रित करते हैं लेकिन इसके लिए हमने कह दिया है कि आपके कार्ड पर दहेज मुक्त शादी लिखा हुआ होना चाहिए, जिससे यह पता चल सके कि आप बिना दहेज लेन–देन के शादी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब बिहार में दहेज प्रथा के खिलाफ अभियान की शुरुआत हुई तो आरा के अवकाश प्राप्त शिक्षक हरीन्द्र सिंह ने लिया हुआ दहेज लौटा दिया, जिसके बाद मैंने उन्हें सम्मानित भी किया।

लोगों से आह्वान करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आइए इन सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ शुरू किए गए सशक्त अभियान में सम्मिलित होकर इसे जड़ से खत्म करने का हम सब संकल्प लें। उन्होंने कहा कि विकास का काम सभी क्षेत्रों में हो रहा है वह चाहें सड़क

निर्माण का हो, पुल पुलिया का हो, कृषि का क्षेत्र हो या बिजली का। विकास का काम निरंतर जारी है, इसमें हम कोई कोताही नहीं बरतते हैं। उन्होंने कहा कि इसका पूरा लाभ तभी मिलेगा, जब इन सामाजिक कुरीतियों को समाज से समाप्त किया जाएगा।

21 जनवरी 2017 को शराबबंदी और नशामुक्ति के पक्ष में बनी मानव श्रृंखला में चार करोड़ लोगों की भागीदारी की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 22 दिन बाद एक बार फिर 21 जनवरी 2018 को मानव श्रृंखला बनेगी, जो शराबबंदी, नशामुक्ति के साथ–साथ बाल विवाह और दहेज प्रथा उन्मूलन के लिए होगी। मुझे पूरा यकीन है कि इस बार भी मानव श्रृंखला में लोगों की जबर्दस्त भागीदारी होगी, जो इन सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ अपने मनोभाव का प्रकटीकरण करेंगे। जनसभा में मौजूद लोगों को हाथ उठाकर मानव श्रृंखला में शामिल होने के लिए संकल्प दिलाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी सूर्य के समक्ष हाथ उठाकर संकल्प लिए हैं इसलिए भूलिएगा नहीं और 21 जनवरी 2018 को मानव श्रृंखला में शामिल होकर समाज को इन सामाजिक कुरीतियों से छुटकारा दिलाने में अपना अहम योगदान जरूर दीजिएगा ताकि जनचेतना, जन जागरूकता और जन जागृति लोगों में आए। इस आह्वान के साथ मुख्यमंत्री ने लोगों को नव वर्ष की शुभकामनाएं भी दीं।

जनसभा को ग्रामीण विकास मंत्री श्री श्रवण कुमार, शेखपुरा के विधायक श्री रणधीर कुमार सोनी, बरबीघा विधायक श्री सुदर्शन जी, मुख्य सचिव अंजनी कुमार सिंह, पुलिस महानिदेशक श्री पी0के0 ठाकुर ने भी संबोधित किया

इस अवसर पर जदयू जिलाध्यक्ष अर्जुन प्रसाद, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री संजीव प्रभाकर, लोजपा जिलाध्यक्ष श्री चन्दन यादव, कांग्रेस जिलाध्यक्ष कुमार सत्यजीत, मुख्य सचिव अंजनी कुमार सिंह, पुलिस महानिदेशक श्री पी0के0 ठाकुर, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के सचिव श्री अरविंद चौधरी, ग्रामीण कार्य विभाग एवं पीएचईडी विभाग के सचिव श्री विनय कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अतीश चंद्रा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष वर्मा, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, मुंगेर प्रमंडल आयुक्त श्री राजेश कुमार, भागलपुर प्रक्षेत्र के आईजी श्री सुशील एम0 खोपड़े, जिलाधिकारी श्री दिनेश कुमार, पुलिस अधीक्षक श्री राजेंद्र कुमार, अन्य कई वरीय अधिकारीगण व गणमान्य लोग सहित काफी तादाद में आमजन मौजूद थे।

******